'कोरोना-काल में भी मिलें पुस्तकें, इसलिए किया प्रदर्शनी का आयोजन'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 9 अक्तूबर।

डीपी सिन्हा ने किया उद्घाटन

साहित्य अकादेमी की ओर से 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार को नाटककार और लेखक डीपी सिन्हा ने किया। उन्होंने कहा कि साहित्य अकादेमी पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकें उपलब्ध करवाकर एक बहुत बड़ा कार्य कर रही है। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने प्रदर्शनी के बारे में कहा कि कोरोना काल में पाठकों को पुस्तकें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अकादेमी ने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादेमी पुस्तक प्रेमियों को निरंतर अच्छा और सस्ता साहित्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा गोपीचंद नारंग द्वारा लिखित उर्दू पुस्तक के हिंदी अनुवाद गालिबः अर्थवत्ता, रचनात्मकता एवं शून्यता का भी लोकार्पण किया गया, जो कि हाल ही में साहित्य अकादेमी ने प्रकाशित की है।

ज्ञात हो कि प्रदर्शनी में 24 भारतीय भाषाओं में तीन हजार शीर्षकों की दस हजार से ज्यादा पुस्तकें बिक्री के लिए 20 फीसद की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं। कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 फीसद तक की छूट है।

पुस्तक प्रदर्शनी रोजाना सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमी श्रेष्ठ भारतीय लेखकों के साथ ही विदेश लेखकों की अनूदित पुस्तकें और रवींद्रनाथ टैगोर से लेकर प्रेमचंद तक के बाल साहित्य को भी खरीद सकेंगे। प्रदर्शनी में कमल किशोर गोयनका द्वारा 6 भागों में संपादित प्रेमचंद कहानी रचनावली, भीष्म साहनी द्वारा संपादित हिंदी कहानी-संग्रह तथा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर विनिबंध, उनके रचना-संचयन, साहित्य अकादेमी द्वारा पुरस्कृत विभिन्न भारतीय भाषाओं की पुस्तकों के अनुवाद भी उपलब्ध होंगे। पाठक इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित हो रही पत्रिकाओं के पुराने अंक भी 5 रुपए की कीमत पर प्राप्त कर सकेंगे और इन पत्रिकाओं के वार्षिक/त्रैमासिक सदस्य भी बन सकेंगे। प्रदर्शनी में साहित्य अकादेमी द्वारा महत्त्वपूर्ण लेखकों पर निर्मित वृतचित्र भी बिक्री के लिए उपलबध हैं साथ ही पुस्तक प्रेमियों के लिए इनका प्रदर्शन भी जारी रहेगा।

अकादेमी 'दर्पण' शीर्षक से एक वृत्तचित्र समारोह का भी आयोजन कर रही है, जिसके अंतर्गत 12 अक्तूबर से प्रतिदिन भारतीय भाषाओं के महत्त्वपूर्ण लेखकों पर निर्मित दो वृत्तचित्रों का प्रदर्शन शाम चार से छह बजे के बीच किया जाएगा। इस अवसर पर सुरेश ऋतुपर्ण, अब्दुल बिस्मिल्लाह, रमेश कुमार मित्तल, सुमन कुमार सहित अन्य लेखक एवं पत्रकार उपस्थित थे।

24 भारतीय भाषाओं की पुस्तकों से रूबरू करवा रही साहित्य अकादमी

पुस्तक प्रदर्शनी में साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव और अन्य।

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। साहित्य प्रेमियों के लिए साहित्य अकादमी पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित कर रहा है। यहां पर 24 भारतीय भाषाओं में ज्यादा पुस्तकें 20 से 75 प्रतिशत तक छूट पर उपलब्ध है। रवींद्र भवन में पुस्तक प्रदर्शनी 23 अक्तूबर तक चलेगी।

प्रदर्शनी में रवींद्रनाथ टैगोर से लेकर प्रेमचंद तक के बाल साहित्य, कमल किशोर गोयनका द्वारा 6 भागों में संपादित प्रेमचंद कहानी रचनावली, भीष्म साहनी द्वारा संपादित हिंदी कहानी-संग्रह व महत्वपूर्ण लेखकों पर विनिबंध, उनके रचना-संचयन, साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत विभिन्न भारतीय भाषाओं की पुस्तकों के अनुवाद भी उपलब्ध हैं। साहित्य अकादमी 'दर्पण' शीर्षक से एक वृत्तचित्र समारोह भी आयोजित कर रही है। इसमें 12 अक्तूबर से निर्मल वर्मा, धर्मवीर भारती, भीष्म साहनी, गुलजार, कुंवर नारायण, गोपीचंद नारंग, मनोज दास, खुशवंत सिंह, प्रतिभा राय, गुरदयाल सिंह जैसे लेखकों पर बने वृत्तचित्र शाम 4 से 6 बजे के बीच प्रदर्शित किए जाएंगे।

साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने कहा कि साहित्य अकादमी पुस्तक प्रेमियों को निरंतर अच्छा और सस्ता साहित्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

अनमोल उपहार हैं पुस्तकें : डीपी सिन्हा

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : साहित्य अकादमी स्थित रवींद्र भवन के प्रथम तल पर प्रख्यात नाटककार व लेखक डीपी सिन्हा ने 24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित व गोपीचंद नारंग द्वारा लिखित उर्दू पुस्तक के हिंदी अनुवाद गालिब : अर्थवत्ता, रचनात्मकता एवं शून्यता का लोकार्पण भी किया गया।

इस अवसर पर डीपी सिन्हा ने कहा कि वह नाटककार हैं और साहित्य की श्रेष्ठता बनाए रखते हुए पाठकों को सस्ते मूल्यों पर पुस्तकें उपलब्ध कराने में आने वाली कठिनाइयों से भली भांति परिचित हैं। सच्चे पुस्तक प्रेमी व बुद्धिजीवियों के लिए पुस्तकें अनमोल उपहार हैं। पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं। वहीं, अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादमी पुस्तक प्रेमियों को निरंतर अच्छा और सस्ता साहित्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी में 24 भारतीय भाषाओं में दस हजार से ज्यादा पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं। इस मौके पर सुरेश ऋतुपर्ण, अब्दुल बिस्मिल्लाह, रमेश कुमार मित्तल, सुमन कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

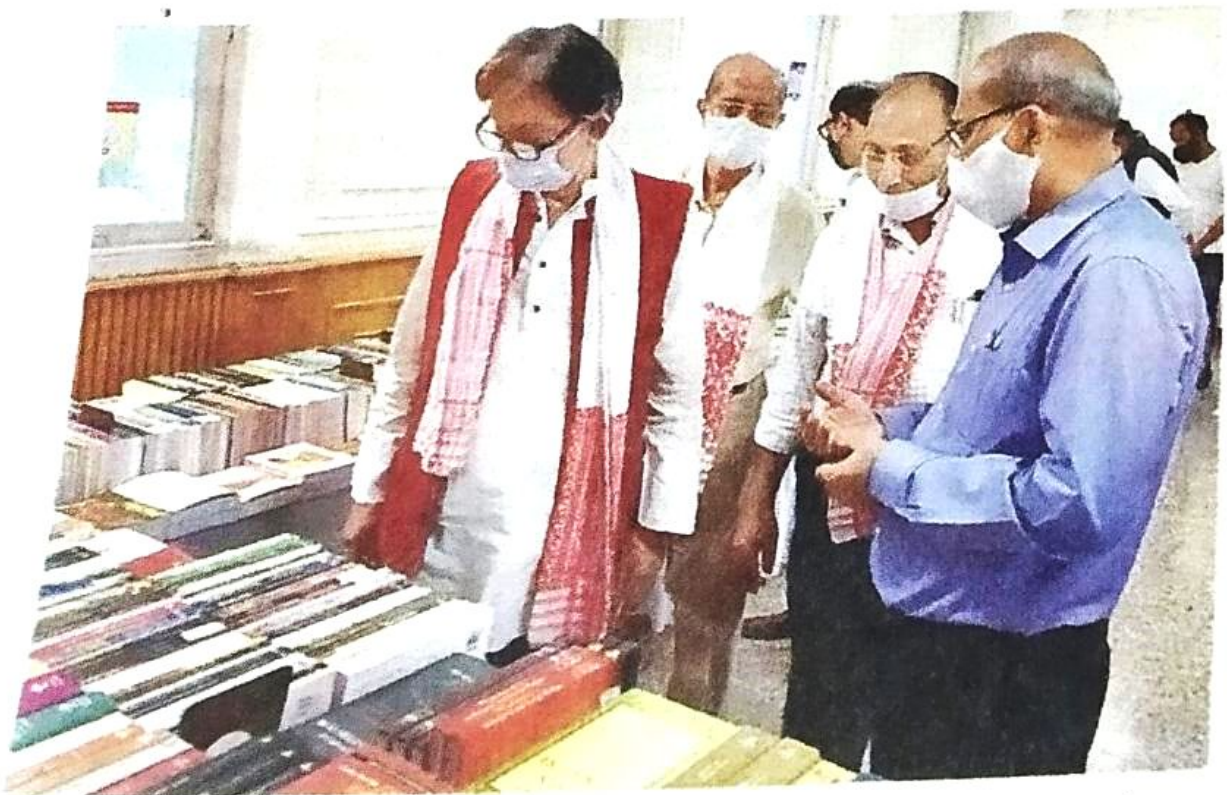

साहित्य अकादमी के रवींद्र भवन में लगी प्रदर्शनी में पुस्तकें देखते लेखक डीपी सिन्हा (सबसे बाएं), व अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव (सबसे दाएं) ● सौ.अकादमी